दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र
आवश्यक सूचना

दिनांक 22.09.15

सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय के महिला–प्रकोष्ठ एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ तथा राजनीति शास्त्र परिषद द्वारा निम्नलिखित विषयों पर सामूहिक चर्चा एवं वाद–विवाद 30.09.15 आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक छात्राएं अपने–अपने नाम अधोहस्ताक्षरी प्राध्यापिकाओं के पास शीघ्र दे दें। सामूहिक चर्चा और वाद–विवाद के नियमों की जानकारी प्राध्यापिकाओं को नाम देते समय अवश्य ले लें।

विषय:
1. कामकाजी महिलाओं की वास्तविक स्थिति।
2. बेटा–बेटी का सामाजिक स्तर कितना एक समान।
3. अधिकार एवं कर्तव्य।

प्राचार्या

डॉ. सुमन रोजन
(सयोजिका) महिला प्रकोष्ठ
श्रीमती पायल आनन्द
श्रीमती नरेश जोशी
श्रीमती रीना सेठी
श्रीमती वीनु मदान
सुश्री आरती

Rescheduled for 01.10.2015

दयानंद महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

सूचना

दिनांक : 28-9-15

महाविद्यालय की सभी छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 1-10-2015 को सुबह 11:00 बजे महिला प्रकोष्ठ, राजनीतिशास्त्र परिषद एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से एक चर्चा- परिचर्चा का आयोजन करवाया जाएगा। इस में भाग लेने की इच्छुक छात्राएं निम्नलिखित प्राध्यापिकाओं से संपर्क करें।

विषय :- भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति

Chaudhary

श्रीमती पायल आनंद
(संयोजिका)
राजनीतिशास्त्र परिषद एवं
कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ

डॉ. सुमन राजन
(संयोजिका)
महिला प्रकोष्ठ

List of Participants

Date : 01-10-2015

Sr.No.	Name	Roll No.	Class
1	Aastha	918	B.A. II
2.	Ritu	2607	B.A. I
3.	Kusum	120	B.A. II
4	Akshi	8521	B. Com. III
5	Nidhi	2764	B.A. I
6	Anju	263	B.A. II
7	Manpreet		B.Sc.
8	Bhavna		B Com. II
9	Anu	3642	B.A. I
10	Diksha	179	B.A. II
11	Rince	2541	B.A. I
12	Vidhushi	2725	B.A. I
13	Ashine	2505	B.A. I
14	Kiran	2653	B.A. I
15	Kirti	27	B.A. II
16	Vashnavi	31	B.A. II
17	Ankita	224	B.A. II

रिपोर्ट

Date:01-10-15

(भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति)

आज दिनांक 01-10-15 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में महिला प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र परिषद् एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से भारतीय समाज में महिलाओं की समस्यामूलक स्थितियां, लिंग भेद की समस्या, कामकाजी महिलाओं का वस्तुस्थिति एवं अधिकार और कर्तव्य तथा बेरा-बेटी सामाजिक स्तर पर कितने एक समान, इन विषयों पर चर्चा-परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह जी ने की। कुमारी आस्था, वसु-धरा, रीतु, कुसुम, आदी, निधि, अंजु, रवनीत, जागृति, विदुषी, ओशीन व किरणजीत आदि ने विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। कुमारी निधि ने बाल-विवाह स्वरचित कविता प्रस्तुत की। डॉ. सुमन राजन ने लिंग भेद की समस्या पर गहन चिन्ता व्यक्त करते हुए लड़का-लड़की के प्रति समान सोच पर बल दिया। श्रीमती पायल आनन्द ने अधिकार और कर्तव्यों का सम्बन्ध बताते हुए स्पष्ट किया कि दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। आवश्यकता है कि प्रत्येक निष्ठा से अपने कर्तव्य पूरे करे ताकि अधिकारों का सब आनन्द ले सके।

अंत में प्राचार्या जी ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की समाज में सक्रिय भूमिका के लिए उनका जागरूक होना सबसे अधिक आवश्यक है। समाज, कानून सब सहायता करेंगे लेकिन सबसे अधिक आवश्यक है कि

नारी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े और समाज में सक्रिय भूमिका निभाए। क्योंना हम सभी आज यह प्रतिज्ञा करे कि आज के पश्चात हम में से कोई भी ऐसा भेदभाव नही होनें देगा। ऐसी ही उम्मीद मैं आप सभी छात्राओं से करती हु

Report

(Topic - Status of women in Indian Society)

Today, on October 01, 2015 at Dayanand Mahila Mahavidyalaya, Kurukshetra, on behalf of the Women's Cell, Political Science Council and Legal Literacy Cell, the problematic conditions of women in Indian society, the problem of gender discrimination, the status and rights and duties of working women and sons and daughters on a social level. Discussion on these topics was organised. The program was chaired by Principal Dr. Vijayalakshmi Singh Ji, Kumari Aastha, Vasundhara, Ritu, Sakshi, Nidhi, Ravneet, Jagriti, Vidushi Oshin and Ranjit etc. Presented views on various topics Kumari Nidhi presented child marriage Sukra Poetry by Dr. Suman Rajan on gender discrimination problem Expressing concern, the boy emphasized equal thinking towards the girl, Mrs. Payal Anand clarifying the relation of rights and duties, clarifying that both are two sides of the same coin. Each one needs to fulfill her duties with integrity so as to enjoy the rights. In the end, the Principal clarified that for the active role of women

In the society, it is most important for them to be aware and social law will help everyone but most important is that women should move forward with confidence and play an active role in the society, why don't we let us all pledge today that after today none of us will allow such discrimination to happen, in the hope that I do it with all your girls.

प्रैस नोट

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

आज दिनांक 1.10.2015 को महिला। राजनीति शास्त्र परिषद् एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से 'भारतीय समाज में महिलाओं की समस्यामूलक स्थितियाँ' 'लिंग भेद की समस्या', 'कामकाजी महिलाओं की वस्तुस्थिति' एवं 'अधिकार और कर्त्तव्य' विषय पर चर्चा-परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ॰ विजय लक्ष्मी ने की। कु॰ आस्था, वसुन्धरा, रीतू, कुसुम, आक्षी, निधि, अंजु, रवनीत, जागृति, विदुषी, ओशीन व किरणजीत आदि ने विभिन्न विषयों पर स्वरचित विचार प्रस्तुत किए। कु॰ निधि ने 'बाल विवाह' कविता प्रस्तुत की। डॉ॰ सुमन राजन ने लिंग भेद की समस्या पर गहन चिन्ता व्यक्त करते हुए लड़का-लड़की के प्रति समान सोच पर बल दिया। डॉ॰ नरेश जोशी ने कामकाजी महिलाओं का दोहरा दायित्व और उनके प्रति समाज की सोच बदलने पर बल दिया। श्रीमती पायल आनन्द ने अधिकार और कर्त्तव्यों का सम्बन्ध बताते हुए स्पष्ट किया कि दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। आवश्यकता है कि प्रत्येक निष्ठा से अपने कर्त्तव्य पूरे करे ताकि अधिकार का रस आनन्द ले सके।

अन्त में प्राचार्या ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की समाज में सक्रिय भूमिका के लिए उनका जागरूक होना सबसे अधिक आवश्यक है। समाज, कानून सब सहायता करेंगे लेकिन सबसे अधिक आवश्यक है कि नारी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े और समाज में सक्रिय भूमिका निभाए।

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रैस-नोट

आज दिनांक 01.10.15 को दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में महिला प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र परिषद् एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से भारतीय समाज में महिलाओं की समस्यामूलक स्थितियाँ, लिंग भेद की समस्या, कामकाजी महिलाओं का वस्तुस्थिति एवं अधिकार और कर्तव्य तथा बेटा-बेटी सामाजिक स्तर पर कितने एक समान, इन विषयों पर चर्चा-परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह जी ने की। कुमारी आस्था, वसुन्धरा, रीतु, कुसुम, आक्षी, निधि, अंजु, रवनीत, जागृति, विदूषी, ओशीन व किरणजीत आदि ने विभिन्न विषयों पर विचार प्रस्तुत किए। कुमारी निधि ने बाल-विवाह स्वरचित कविता प्रस्तुत की। डॉ. सुमन राजन ने लिंग भेद की समस्या पर गहन चिन्ता व्यक्त करते हुए लड़का-लड़की के प्रति समान सोच पर बल दिया। डॉ. नरेश जोशी ने कामकाजी महिलाओं का दोहरा दायित्व और उनके प्रति समाज की सोच बदलने पर बल दिया। श्रीमती पायल आनन्द ने अधिकार और कर्तव्यों का सम्बन्ध बताते हुए स्पष्ट किया कि दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू है। आवश्यकता है कि प्रत्येक निष्ठा से अपने कर्त्तव्य पूरे करें ताकि अधिकारों का सब आनन्द ले सके।

अंत में प्राचार्या जी ने स्पष्ट किया कि महिलाओं की समाज में सक्रिय भूमिका के लिए उनका जागरूक होना सबसे अधिक आवश्यक है। समाज, कानून सब सहायता करेंगे लेकिन सबसे अधिक आवश्यक है कि नारी आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़े और समाज में सक्रिय भूमिका निभाए। क्यों ना हम सभी आज यह प्रतिज्ञा करें कि आज के पश्चात् हम में से कोई भी ऐसा भेदभाव नहीं होनें देगा। ऐसी ही उम्मीद मैं आप सभी छात्राओं से करती हूं। इस अवसर पर महाविद्यालय की अनेक प्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

फोटो नम्बर : 01 परिचर्चा में भाग लेती महाविद्यालय की छात्राएँ।

17 मंच पर उपस्थित महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह एवं संयोजिकाएं।

09 परिचर्चा के सम्बन्ध में प्रश्न पूछती हुई छात्रा।

अमर उजाला

2 अक्तूबर 2015

दीपल कॉलेज में आयोजित योग कार्यक्रम में योग करती छात्राएं। अमर उजाला

योग में कुमारी मनप्रीत प्रथम

दयानंद महिला महाविद्यालय में परिचर्चा और प्रतियोगिता का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र परिषद् एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से भारतीय समाज में महिलाओं की समस्यामूलक स्थितियां, लिंग भेद की समस्या, कामकाजी महिलाओं का वस्तुस्थिति एवं अधिकार और कर्तव्य तथा बेटा-बेटी सामाजिक स्तर पर कितने एक समान विषय पर परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह ने की। कुमारी आस्था, वसुधरा, रीतु, कुसुम, आशी, निधि, अंजु, रवनीत, जागृति, विदूषी, ओशीन व किरणजीत आदि ने विचार प्रस्तुत किए।

कुमारी निधि ने बाल-विवाह स्वरचित कविता प्रस्तुत की। डॉ. सुमन राजन ने लिंग भेद की समस्या पर गहन चिंता व्यक्त करते हुए लड़का-लड़की के प्रति समान सोच पर बल दिया।

वहीं अंतरकक्षीय योगा प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सूर्य नमस्कार, पश्चिमोत्तानासन, पादहस्तासन, गोमुखासन, त्रिकोणासन, उष्ट्रासन द्वारा छात्राओं ने अपनी-अपनी प्रतिभागिता दर्ज की।

निर्णायक मंडल की भूमिका कुमारी गीता (योगा प्रशिक्षक) व डॉ. अनु चौहान ने निभाई। प्रतियोगिता में कुमारी मनप्रीत (बीएससी) प्रथम, कुमारी भावना (बीकॉम) द्वितीय, कुमारी दीक्षा (बीकॉम) तृतीय स्थान पर रही जबकि कुमारी प्रिंस व कुमारी दीक्षा को सांत्वना पुरस्कार मिला।

योग में मनप्रीत प्रथम

कुरुक्षेत्र। दयानंद महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ, राजनीति शास्त्र परिषद् एवं कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ की ओर से भारतीय समाज में महिलाओं की समस्यामूलक स्थितियां, लिंग भेद की समस्या, कामकाजी महिलाओं का वस्तुस्थिति एवं अधिकार और...

4